हेपेटाइटिस (C) वायरस से इन्फेक्टेड होने और इसके प्रारंभिक लक्षण दिखाने में औसतन 45 दिन लगते हैं। प्रायः इन लक्षणों को समझना मुश्किल होता है जैसे बुखार आना, थकावट होना भूख न लगना आदि, और इन लक्षणों को हम कुछ और समझ कर नजर अंदाज कर देते हैं।

हेपेटाइटिस (C) को फैलने से रोकना–

कोई भी सुई हो, अगर पहले प्रयोग की जा चुकी हो तो उसका प्रयोग नहीं करें। किसी संक्रमित व्यक्ति के खून के संपर्क में आए व्यक्तिगत सामानों जैसे रेजर, नेलकटर, टूथब्रश आदि का प्रयोग नहीं करें।

यदि आप शरीर पर गोदने या छेद करवाने की सोच रहे हैं तो यह जरूर देख लें कि जहाँ यह हो उसे इस काम के लिए लाइसेंस मिला हो और वो नई सुइयों और असंक्रमित उपकरणों का उपयोग करे। यह भी अवश्य सुनिश्चित करें कि वो नई डंक और नए इंकपॉट का ही प्रयोग करें।

हेपेटाइटिस (C) इनसे नहीं फैलता है–

छींकने, खाँसने, खाने के पदार्थ, पानी से, खाने या पीने के बर्तन में साथ खाना खाने या पानी पीने से, हाथ मिलाने या हाथ पकड़ने से, गले लगाने से, गाल पर चुंबन से, बच्चों के साथ खेलने से, रक्तदान से।

वर्तमान में हेपेटाइटिस (C) का कोई टीका (वैक्सीन) उपलब्ध नहीं है।

विशेष जानकारी

- भारत में प्रत्येक वर्ष हेपेटाइटिस सी वायरस के संक्रमण से जुड़े मृतकों की संख्या बहुत अधिक है जो अनुमानतः प्रत्येक वर्ष 96,000 तक हो सकती है।
- अनुमान लगाया गया है कि भारत में हर वर्ष इस वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़ रही है और 2014 में 2,88,000 नए लोग हेपेटाइटिस सी वायरस से इन्फेक्टेड हो गए हैं।
- हेपेटाइटिस सी वायरस से संक्रमित केवल 15–30 प्रतिशत रोगियों में ही बीमारी के लक्षण दिखते हैं।
- भारत में लगभग प्रत्येक 100 में से 01 व्यक्ति हेपेटाइटिस सी वायरस से संक्रमित हो सकता है।

क्या आपने अभी जाँच नहीं कराई है?

- हेपेटाइटिस सी आपके लीवर को नुकसान पहुँचा सकता है। और आपका लीवर काम करना बंद कर सकता है।
- हेपेटाइटिस सी के कारण लीवर ट्रांसप्लांट कराना पड़ सकता है।
- हेपेटाइटिस सी लीवर–कैंसर का सबसे बड़ा कारण है।

मुफ्त सलाह और मुफ्त जाँच के लिए हमारे हेल्थ कैंप में संपर्क करें

एडेन्ट–सोशल वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन

क्या आपको हेपेटाइटिस सी है?जाँच करवाएँ इससे आपका जीवन बच सकता है।कुछ लोग को पता ही नहीं होता कि उन्हें यह बीमारी कब हो गई या यह इन्फेक्शन कब हो गया। कहीं आप हेपेटाइटिस के शिकार तो नहीं?

हेपेटाइटिस (C) जानलेवा नही है

अपना और अपने लीवर का ध्यान रखें
जाने समझे इसके प्रकार,
अपनाए, सुरक्षा
हर–बार, रखें सुरक्षित
अपना घर–द्वार!

MAHI
(MYLAN AIDENT HEPATITIS - C INITIATIVE)

Email-aidentsworg@yahoo.com
website - www.aident.org

हेपेटाइटिस क्या हैं?

हेपेटाइटिस का अर्थ है लिवर की सूजन एवं संक्रमण। हेपेटाइटिस/पीलिया खून में बिलिरुबिन (Bilirubin) की मात्रा बढ़ जाने से होता है। हेपेटाइटिस के वायरस बहुत सारे माध्यमों से शरीर में पहुँच जाते हैं। फिर ये वायरस खून के जरिए लीवर तक पहुँचते हैं और वहाँ सक्रिय हो जाते हैं। सामान्यतः हेपेटाइटिस का वायरस पीने के पानी, संक्रमित पुरुष या महिला के साथ असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित गर्भवती महिला से शिशुओं में और संक्रमित सुइयों/इंजेक्शन आदि माध्यमों से फैलता है।

हेपेटाइटिस के प्रकार–

हेपेटाइटिस या वायरस–युक्त पीलिया के छः प्रकार हैं– हेपेटाइटिस A,B,C,D,E,G इन सबमें हेपेटाइटिस बी सबसे खतरनाक माना जाता है। हेपेटाइटिस बी लीवर को नुकसान पहुँचाता है और इससे रोगी की मृत्यु भी हो सकती है। हेपेटाइटिस A, B और C के रोगी सबसे ज्यादा हैं।

हेपेटाइटिस (C) इन्फेक्शन के सामान्य लक्षण

- बुखार
- सिरदर्द
- जी मचलाना
- पेट में दर्द होना
- भूरे रंग का पखाना होना
- हर समय थका–थका महसूस करना
- मानसिक दबाव में रहना
- उलटी होना
- भूख न लगना
- पीला पेशाब होना
- जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द होना
- जॉन्डिस (त्वचा और आँख का पीला पड़ना)

हेपेटाइटिस (C) बीमारी का इलाज क्या है?

आपके खून की जाँच कर डॉक्टर यह जान सकते हैं कि आपको किस प्रकार का हेपेटाइटिस हुआ है। आपका इलाज हेपेटाइटिस के प्रकार पर निर्भर करता है।

- अगर आपको ज्यादा कमजोरी है तो डॉक्टर आपको अस्पताल में भर्ती होने के लिए कह सकते हैं।
- केवल अपने डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाओं का ही उपयोग करें। अन्य दवाओं से लीवर पर बुरा असर पड़ सकता है।
- शराब न पीएं, क्योंकि इससे आपके लीवर को नुकसान पहुँचता है।
- धूम्रपान न करें और कोई अन्य व्यक्ति सिगरेट, बीड़ी, हुक्का आदि पी रहा है तो उसके पास नहीं रहें।
- साफ पानी का ही इस्तेमाल करें। आराम करें ।
- डॉक्टर की सलाह के अनुसार अपने खानपान में बदलाव करें।
- कम चर्बी (Fat) और ज्यादा प्रोटीन (Protein) वाला आहार लेना चाहिए।
- ज्यादा तेल, घी और मिर्च–मसाले वाला आहार नहीं लेना चाहिए।
- रोगी को फल तथा हरी सब्जियों का सूप आदि बना कर देना चाहिए।

हेपेटाइटिस (C) होने के कारण

वैसे रोगियों जो संक्रमित व्यक्ति से खून प्राप्त करते है, उन्हें हेपेटाइटिस सी (C) हो सकता है। यह कई स्थितियों में हो सकता है:

- किसी संक्रमित व्यक्ति का ड्रग सुइयों, रेजर या टुथब्रश का प्रयोग करना।
- जिसने वर्ष 2001 से पहले ब्लड ट्रांसफुजन के माध्यम से खून प्राप्त किया हो।
- हेपेटाइटिस सी से संक्रमित माँ से जन्में बच्चे (गभवती माँ से नवजात शिशु का संक्रमण की 6 प्रतिशत संभावना होती है।)
- वैसे संक्रमित उपकरणों से गोदना या शरीर में छिद्रण जिसका संक्रमित व्यक्ति पर प्रयोग किया गया है।
- दुर्घटना से वैसी सुई का शरीर में प्रवेश हो जाना संक्रमित व्यक्ति को लगाई गई हो।
- जिसका कभी संक्रमित मशीन से हेमोडायलिसिस हुआ हो।
- जो कभी जेल में काम किया हो या सजा काटी हो।
- कभी–कभी संक्रमित व्यक्ति के साथ असुरक्षित यौन संबंध से भी हेपेटाइटिस का संक्रमण हो सकता है।

अगर आपको हेपेटाइटिस का इनफेक्शन है तो :

आप अपने स्वास्थ्य का बेहतर ध्यान रख सकते हैं।
इलाज करवाकर अपने जीवन को बचा सकते हैं।
सफल इलाज से आपका शरीर वायरस मुक्त हो सकता है।

आप कैसे जानेंगे कि आपको हेपेटाइटिस(C) इंफेक्शन है या नहीं?

- आपको हेपेटाइटिस इंफेक्शन है या नहीं इसे जानने का केवल एक ही तरीका है कि आप इसकी जाँच करवाएँ। डॉक्टरों द्वारा इसकी जाँच दो तरीकों से की जाती है:
- रक्त की जाँच जिसमें वायरस की उपस्थिति में शरीर द्वारा तैयार की जा रही ऐंटीबौडीज़–प्रोटीन का परीक्षण किया जाता है।
- वायरस द्वारा तैयार किए जाने वाले एक आरएनए (RNA) तत्त्व की जाँच।
- अधिकतर लोग, जिनकी Antibody जाँच निगेटिब (नकारात्मक) हैं, उन्हें हेपेटाइटिस सी (C) संक्रमण नहीं हैं और उन्हें अतिरिक्त जाँच कराने की आवश्यकता नहीं हैं।

ध्यान रखें

जाँच करवाएं,इससे आपका जीवन बच सकता है।